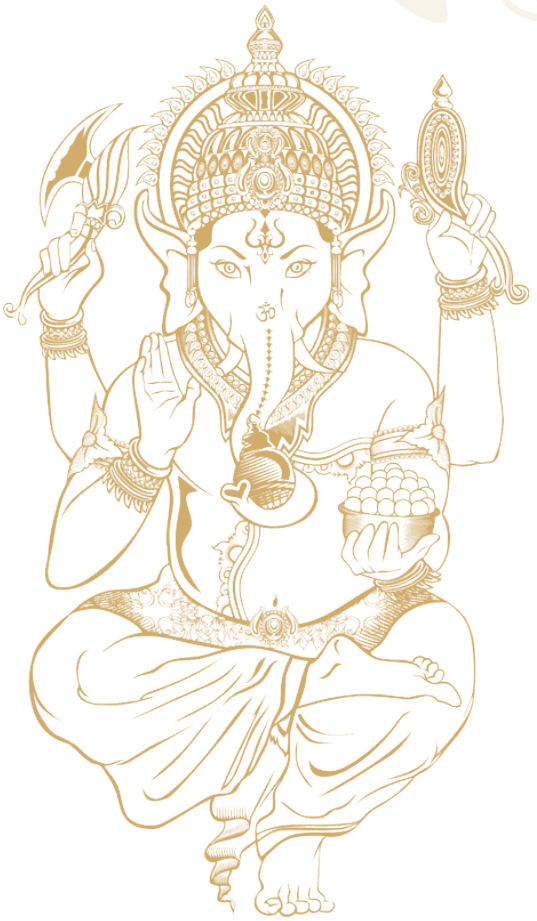

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119304004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/09/2025	जन्म तिथि	01/09/2025
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 09:44:00	जन्म समय	09:44:00 घंटे
घटी 09:21:57	जन्म समय(घटी)	09:21:57 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:59:13	सूर्योदय	05:59:13
18:42:25	सूर्यास्त	18:42:25
24:13:00	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:00

विंशोत्तरी बुध 6वर्ष 6मा 27दि बुध 01/09/2025 30/03/2032	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 6वर्ष 6मा 27दि बुध 01/09/2025 30/03/2032
00/00/0000	03:12:33	तुला	लग्न	तुला	03:12:33	00/00/0000
00/00/0000	14:47:02	सिंह	सूर्य	सिंह	14:47:02	00/00/0000
00/00/0000	24:50:31	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	24:50:31	00/00/0000
00/00/0000	21:48:40	कन्या	मंगल	कन्या	21:48:40	00/00/0000
00/00/0000	03:09:53	सिंह	बुध	सिंह	03:09:53	00/00/0000
00/00/0000	23:41:14	मिथु	गुरु	मिथु	23:41:14	00/00/0000
00/00/0000	13:33:14	कर्क	शुक्र	कर्क	13:33:14	00/00/0000
00/00/0000	05:47:40	मीन व	शनि व	मीन	05:47:40	00/00/0000
00/00/0000	24:10:52	कुंभ व	राहु व	कुंभ	24:10:52	00/00/0000
01/09/2025	24:10:52	सिंह व	केतु व	सिंह	24:10:52	01/09/2025
राहु 15/04/2027	07:14:11	वृष	हर्ष	वृष	07:14:11	राहु 15/04/2027
गुरु 21/07/2029	07:08:25	मीन व	नेप व	मीन	07:08:25	गुरु 21/07/2029
शनि 30/03/2032	07:33:21	मक व	प्लूटो व	मक	07:33:21	शनि 30/03/2032

लग्न-चलित

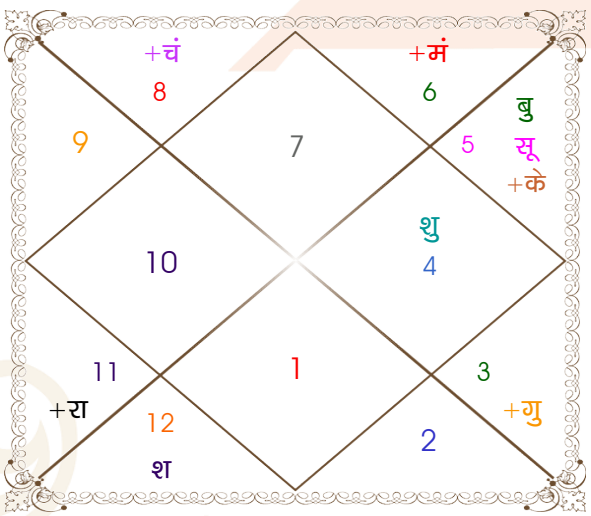

लग्न-चलित

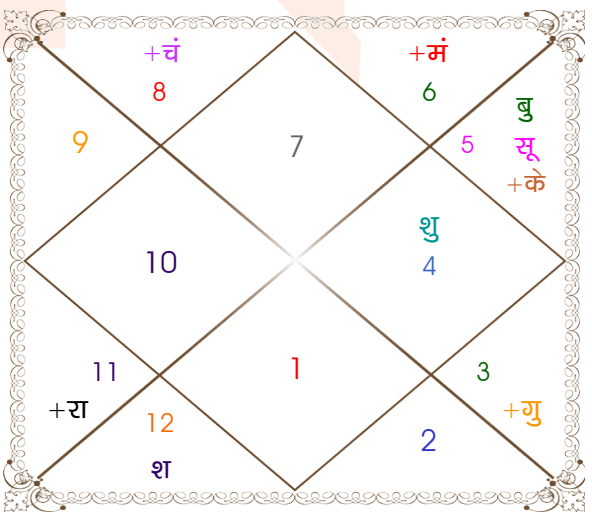

Prakhar Jyotish Kendra
Seoni
9755732260
astrologerkanhaiya@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।